Programme(कार्यक्रम):M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):- HNC 207

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक):- Drama & Theatre

(नाटक एवं रंगमंच)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48 Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में नाटक एवं रंगमंच एक महत्वपूर्ण विधा है। इस संदर्भ में नाटक एवं रंगमंच के स्वरुप एवं विकास के साथ-साथ कतिपय नाटकों का अध्ययन अपेक्षित है।	
Objective (उद्देश्य)	नाटक एवं उसके विकास का अध्ययन आवश्यक है ।भारतेंदु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश के साथ-साथ कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन करना ।	
Content (विषयवस्तु)	1. नाटक एवं रंगमंचः स्वरुप एवं परंपरा का विकास। • संस्कृत नाट्य परंपरा। • मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा। • स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी नाटक एवं रंगमंच • स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	15

	2निर्धारित नाटक • भारत दुर्दशा - भारतेंदु हरिश्चंद्र • चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद • आषाढ का एक दिन - मोहन राकेश • माधवी - भीष्म साहनी • जिस लाहौर देख्या वो जम्यां नहीं- असगर वजाहत	05 07 07 07 07
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	• चातक, गोविन्द, (2003), आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश , दिल्ली, जी-17, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा.लि. • रस्तोगी, गिरीश, (1975), मोहन राकेश और उनके नाटक, इलाहाबाद, 15-ए, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रकाशन, लोकभारती • जैन, नेमिचंद्र, (1976), मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक (संपादन), दिल्ली, कश्मीरी गेट, राजपाल एंड सन्स, प्रकाशन • राकेश, अनीता, (2002), सतरें और सतरें, दिल्ली, जी-17, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण, प्रा. लि. • राय, डॉ. नरनारायण, (1991), रंगशिल्पी मोहन राकेश, नई दिल्ली, ए- 55/1, सुदर्शन पार्क, मोतीनगर, प्रकाशन, कादंबरी • तनेजा, जयदेव, (2006), आधुनिक भारतीय रंगलोक, नई दिल्ली, 18 , इंस्टीट्यूंशनल एरिया, लोदी रोड, प्रकाशन, भारतीय ज्ञानपीठ • कुमार, सिद्धनाथ, (2004), नाट्यलोचन के सिद्धांत , नई दिल्ली, 21-ए,	

दरियागंज, प्रकाशन, वाणी

- प्रसाद, डॉ. प्रसून, (2008), मोहन राकेश के नाटक एक मूल्यांकन, हरियाणा, एस. सी. एफ. 267, सेक्टर-16 पंचकूला, प्रकाशन, आधार प्रा. लि.
- सिंह, डॉ. राजेश्वर प्रसाद, (1992), मोहन राकेश का नाट्य-शिल्प : प्रेरणा एवं स्रोत, गाजियाबाद, के. बी. 97, कविनगर, प्रकाशन, अमित
- राकेश, मोहन , (200 0), आषाढ़ का एक दिन, नई दिल्ली, कश्मीरी गेट, राजपाल एंड सन्स
- प्रेमलता, (199 3), आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, इलाहाबाद, 15-ए, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रकाशन, लोकभारती
- रस्तोगी, डॉ . (श्रीमती) गिरीश , (19 90), समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, हरियाणा, चण्डीगढ़, प्रकाशन, साहित्य अकादमी,
- जैन, नेमिचंद्र, (19 96), रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, नई दिल्ली, 21 ए, प्रकाशन, वाणी
- चन्द्र, डॉ . (1987), नाट्य चिंतन : नये सन्दर्भ, कानपुर , 37 /50, गिलिस बाजार, प्रकाशन, साहित्य रत्नाकर
- रानी, डॉ . गुरदीप , (2009), मिथक सिद्धांत और स्वरूप, दिल्ली, A-402, विद्युत अपार्टमेंट , 81-आई. पी . एक्सटेंशन पटपड़गंज, प्रकाशन, बुक्मार्ट पब्लिशर्स
- ओझा, डॉ. मांधाता, सरदाना, डॉ. शशि, (2003), नाटक : नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, दिल्ली, 1687, नई सड़क, प्रकाशक, कला मंदिर
- सार्त्र, ज्याँ पाल, (1986), मिथक गढ़नेवाले, आधुनिक नाटक का अन्वेषण : कुछ पश्चिमी दस्तावेज, अग्रवाल, कुंवरजी, श्री जैनेन्द्र प्रेस, नई दिल्ली, ए-44, फेज-1, नारायणा, प्रकाशन, मोतीलाल बनारसीदास

	• चातक, गोविन्द , (20 02), हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, नई दिल्ली, 23/4761, अंसारी रोड, दरियागंज, प्रकाशन, तक्षशिला . डॉ. अज्ञातः भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय,कानपुर,1997 • डॉ. गोविन्द चातक- आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश • डॉ गिरीश रस्तोगी- हिन्दी नाटक- सिध्दान्त विवेचन • डॉ. दशरथ ओझा- हिन्दी नाटक- उद्भव और विकास • श्याम परमार- लोकधर्मी नाट्य परंपरा • जयदेव तनेजा- समसामयिक हिन्दी नाटको में चरित्र सृष्टि	